(12) No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

BA (N.C. - II Semester) Examination

Saturday, 15th October 2016

02.00 pm - 05.00 pm

UA02FHIN02 - Foundation Elective Hindi -II

पंचवटी

Total Marks : 70

प्र-१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (किन्हीं तीन) (15)

(क) चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-थल में,
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अम्बरतल में ।
पुलक प्रकट करती है धरती हरित तृणों की नोंकों से,
मानो झीम रहे हैं तरु भी मन्द पवन के झोंको से ।।

(ख) है बिखरे देती वसुन्धरा मोती, सबके सोने पर,
रवि बटोर लेता है उनको सदा सबेरा होने पर ।
और विराम दामिनी अपनी सन्ध्या को दे जाता है,
शून्य श्याम-तनु जिससे उसका नया रुप छलकाता है ।।

(ग) शूरवीर कहकर भी मुझको तुम जो भीरु बताती हौ,
इससे सूक्ष्मदर्शिता ही तुम अपनी मुझे जताती हो ।
भाषण-भंगी देख तुम्हारी हाँ, मुझको भय होता है,
प्रमदे, तुम्हें देख वन में यों मन में संशय होता है ।।

(घ) कहा राम से कि "यह सत्य है सुख-दुख सब है समयाधीन,
सुख में कभी न गर्वित होवे और दुख में न होवे दीन ।
जब तक संकट आप न आवें तब तक उनसे डर माने,
जब वे आ जावें तब उनसे डरकर शूर समर ठाने" ।।

(च) बेचारी उर्मिला हमारे लिए व्यर्थ रोती होगी,
क्या जाने वह, हम सब वन में होंगे इतने सुख-भोगी ।
मग्न हुए सौमित्र चित्र-सम नेत्र निमीलित एक निमेष
फिर आँख खोलें तो यह क्या, अनुपम रुप, अलौकिक वेष ।।

प्र-२ 'पंचवटी' खंडकाव्य का कथासार लिखकर संदेश निरुपित कीजिए (20)

अथवा

प्र-२ टिप्पणी लिखिए : (20)

(१) पंचवटी में शूर्पणखा (२) पंचवटी का पूर्वाभास ।

(P.T.O.)

प्र-३ 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए । (20)

अथवा

प्र-३ टिप्पणी लिखिए : (20)

(१) पंचवटी की सीता (२) पंचवटी में प्रकृति सौन्दर्य ।

प्र-४ (क) सी.टी. कॉलेज, जूनागढ के लिए हिन्दी विषय के अध्यापक के पद हेतु प्राचार्य के नाम आवेदन पत्र लिखिए । (05)

अथवा

अपनी पासुबक खो जाने पर नयी पासबुक बनवाने के लिए बैंक के प्रबंधक को आवेदनपत्र भेजिए । (05)

(ख) हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (05)

પ્રાચીન સમયમાં વર્ગખંડ આધારિત શિક્ષણ નહી પણ પર્યાવરણ અને પ્રકૃતિ આધારિત શિક્ષણની વ્યવસ્થા હતી. શિષ્યોનો સર્વાંગી વિકાસ થતો હતો. સાંસ્કૃતિક મૂલ્યોના ઘડતરને પૂરો અવકાશ હતો. ઋષિ પરંપરામાં શિક્ષણનું સંચાલન આચાર્યના હાથમાં હતું. જેમાં રજાની કોઇ દખલગીરી ન હતી. શિક્ષણ સ્વતંત્ર હતું. કોને, કેટલું અને કેવી રીતે શીખવવું તે ઋષિમુનિઓજ નકકી કરતા હતા. વિનોબાજીએ ભારતીય ભાવના સંદર્ભે નોંધેલુ કે, "વિશ્વમાંથી અમને મંગળ વિચારો પ્રાપ્ત થાઓ" આમ આપણી પરમ્પરા ચારો દિશાઓમાંથી ઉત્તમ વિચારોને પ્રાપ્ત કરવાની રહી છે.

अथवा

(ख) हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (05)

I live in a big house. I study in my studyroom. Its walls are blue. Its celling is white, There is a fan in the studyroom. There are pictures on the wall. There is a table and a chair. There is a table-lamp too. There is a small bed in the room. I keep my books and toys in the room.

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें । (किन्हीं पाँच) (05)

१. नहीं मरनेवाला -
२. जल में जनमनेवाला -
३. बिना अंकुश का -
४. जो पढना लिखना जानता है -
५. आकाश या गगन चूमनेवाला -
६. जिसका उदर लम्बा हो -
७. जिसका तेज निकल गया है वह -